Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

LiFE
Lifestyle for Environment

स्वच्छ वार्ता

पर्यावरण दिवस विशेष संस्करण

स्वच्छ भारत मिशन–शहरी 2.0

न्यूजलेटर

रिड्यूस
रीयूज
रीसाइकल

"जलवायु के संदर्भ में यह एक-शब्द एक-विश्व का मूल आधार बन सकता है। यह एक शब्द है- LiFE यानी पर्यावरण के लिए लाइफस्टाइल। लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (LiFE) को एक अभियान के रूप में आगे बढ़ाने के लिए आज हम सभी को एक साथ आने और सामूहिक भागीदारी के साथ आगे आने की जरूरत है। यह पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली का एक जन आंदोलन बन सकता है।"

–प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, कॉप 26 में

SWACHH VAARTA
NEWSLETTER
पर्यावरण विशेष संस्करण | जून 2023

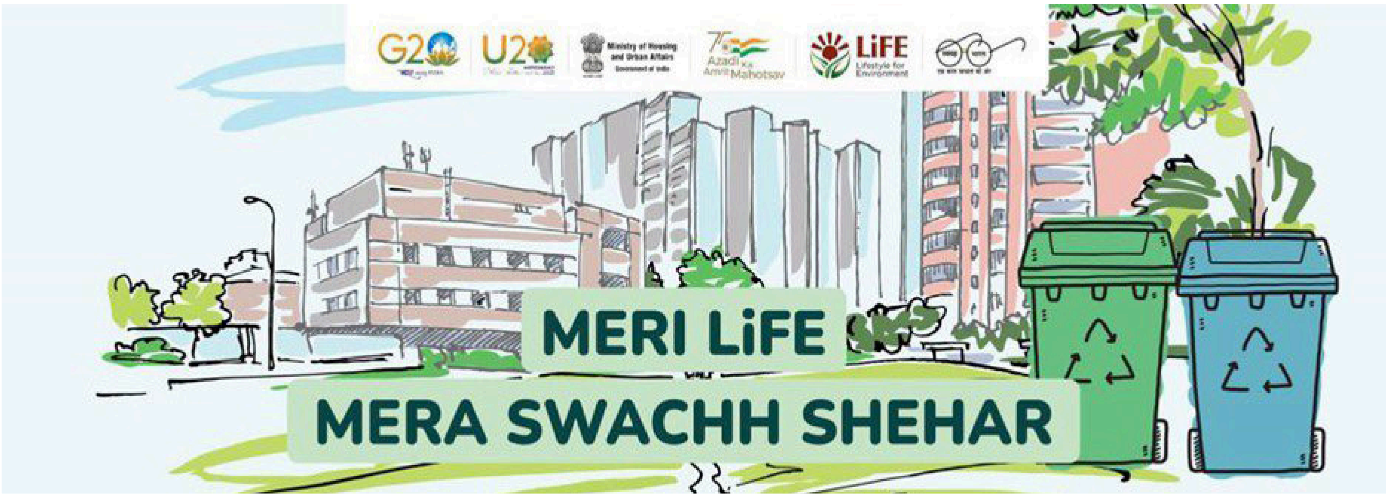

केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के विशाल अभियान 'मेरी LiFE, मेरा स्वच्छ शहर' का शुभारंभ मंत्रालय सचिव मनोज जोशी की उपस्थिति में किया, ताकि वेस्ट मैनेजमेंट के 3R **रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल** को बेहतर तरीके से लागू किया जा सके।

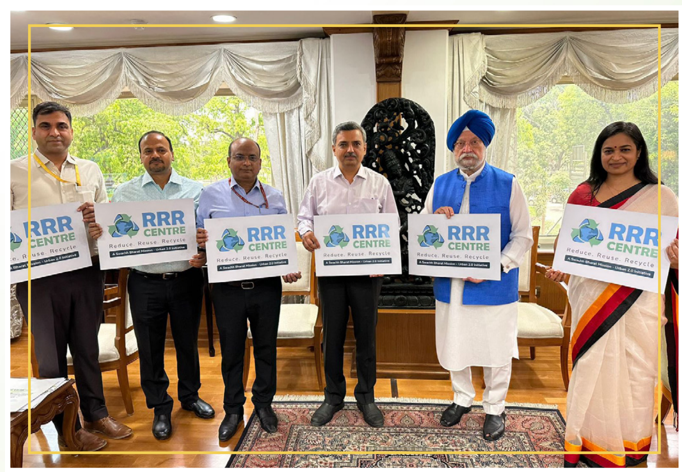

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मिशन LiFE (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) उसके प्रति व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है। मिशन LiFE का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण करना है। साथ ही इस दिशा में एक प्रो-प्लैनेट व्यवहार परिवर्तन लाना है, जिसे दैनिक जीवन में व्यक्तिगत प्रयासों के माध्यम से शामिल किया जा सकता है।

अभियान का उद्देश्य शहरों में ऐसे RRR केंद्र बनाना है, जहां नागरिक अपने अप्रयुक्त या उपयोग की गई प्लास्टिक की वस्तुओं, पुराने कपड़े, जूते, चप्पलें, किताबें, और खिलौनों को नया स्वरूप देने या रीसाइकल करने के लिए जमा कर सकते हैं। तीन सप्ताह के इस अभियान ने एसबीएम-यू 2.0 के अंतर्गत नागरिकों के रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल करने संबंधी संकल्प को मजबूत किया, साथ ही इन आदतों को स्थायी और दैनिक रूप से अपनाकर पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से काम करने के मिशन LiFE के उद्देश्य को बढ़ावा दिया गया।

RRR CENTRE

Reduce. Reuse. Recycle

A Swachh Bharat Mission - Urban 2.0 Initiative

RRR केंद्र नागरिकों, संस्थानों, वाणिज्यिक उद्यमों आदि के लिए अप्रयुक्त या उपयोग की गई प्लास्टिक की वस्तुओं, कपड़े, जूते, चप्पलें, किताबें और खिलौने जमा करने का वन-स्टॉप सॉल्यूशन है। कलेक्शन के बाद, इन वस्तुओं को विभिन्न हितधारकों को पुनः उपयोग के लिए नवीनीकृत करने या नए उत्पादों में बदलने के लिए दिया जा रहा है, इस प्रकार सर्कुलर अर्थव्यवस्था के विजन को सही मायने में आगे बढ़ाया जा रहा है।

SWACHH VAARTA
NEWSLETTER
Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

पीएम ने पहनी रीसाइकल मैटेरियल से बनी जैकेट

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 मई 2023 को जापान के हिरोशिमा में जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान रीसाइकल मैटेरियल का इस्तेमाल कर तैयार की गई जैकेट पहनकर दुनिया को अहम और प्रेरक संदेश दिया।

पृथ्वी दिवस

22 अप्रैल 2023

चंडीगढ़ के सेंट जोसेफ स्कूल के छात्रों ने प्लॉगिंग (प्लास्टिक चुनने की) गतिविधियों में भाग लेकर पृथ्वी दिवस मनाया।

पंजाब में शहरी स्थानीय निकायों ने पृथ्वी दिवस पर गीले कचरे से बनी खाद वितरित की।

पर्यावरण पर प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाते हुए, कोयम्बटूर ने पृथ्वी दिवस पर सिंगल यूज प्लास्टिक की बोतलों से पानी की लहरों के समान दृश्य दर्शाने वाली एक बेहद आकर्षक कलाकृति स्थापित की।

साझेदारी

कार्बन न्यूट्रल और नेचर पॉजिटिव सिटीज को डिजाइन करने के विषय पर चर्चा के लिए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के साथ साझेदारी में 13 अप्रैल 2023 को UNIDO की परियोजना संचालन सलाहकार समिति की 7वीं बैठक आयोजित की गई।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छता के लिए RITES को तकनीकी सहायता एजेंसी के रूप में नियुक्त किया। 1 मई 2023 को मंत्रालय सचिव श्री मनोज जोशी, संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा और RITES के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मन की बात 100वां एपिसोड

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 30 अप्रैल 2023 को मन की बात के ऐतिहासिक 100वें एपिसोड में देश को संबोधित किया। पीएम ने उन लोगों की प्रेरक कहानियों का भी उल्लेख किया, जिनके द्वारा स्वच्छता के लिए किए गए अथक प्रयास शहरी परिदृश्य को बदल रहे हैं।

मन की बात वॉरियर्स

MANN KI BAAT

"The youth in Bhiwani formed Yuva Swachhta Evam Janseva Samiti. The committee members reach Bhiwani at 4 in the morning and run cleanliness drives at different places in the city. They have cleared tons of garbage from different areas of the city."

98th Episode | 26th Feb, 2023 -PM MODI

Tweet

Narendra Modi @narendramodi

When it comes to fulfilling Mahatma Gandhi's dream of a Swachh Bharat, the people of India have done exceptional work. One such effort is by Pradeep Sangwan Ji, who talks about his work which furthers cleanliness and encourages tourism. #MannKiBaat100

मन की बात

"ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले की एक बहन कमला मोहराना एक स्वयं सहायता समूह चलाती हैं। इस समूह की महिलाएं दूध की थैली और दूसरी प्लास्टिक पैकिंग से टोकरी और मोबाइल स्टैंड जैसी कई चीजें बनाती हैं। ये इनके लिए स्वच्छता के साथ ही आमदनी का भी एक अच्छा जरिया बन रहा है।"

98th वां एपिसोड | 26th Feb, 2023 –पीएम मोदी

Narendra Modi @narendramodi

The strength of our Nari Shakti and a commitment to furthering a spirit of 'Vocal for Local' can take India to new heights. You will feel happy to know about strong determination of Bijay Shanti Ji from Manipur. #MannKiBaat100

MANN KI BAAT

"देवभूमि उत्तराखंड में असंख्य लोग स्वच्छता और सेवा की साधना में लीन हैं। बीते 25 सालों में, रुद्रप्रयाग के श्रीमान मनोज बैंजवाल ने पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली हुई है। स्वच्छता अभियान चलाने के अलावा, वे धर्मस्थलों को प्लास्टिक–मुक्त बनाने की दिशा में भी कार्यरत हैं। गुप्तकाशी के सुरेंद्र बागवाड़ी जी ने स्वच्छता को अपना जीवन मंत्र बना लिया है। गुप्तकाशी में, वे निरंतर स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते हैं और मुझे बताया गया है कि उन्होंने भी अपने अभियान को 'मन की बात' नाम दिया है।"

89th Episode | 29th May, 2022 -PM MODI

राज्य स्तरीय बैठक

गंगा टाउन्स

16 मई 2023 को संयुक्त सचिव एवं राष्ट्रीय मिशन निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा की अध्यक्षता में बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड में स्थित 96 गंगा टाउन्स की प्रगति पर केंद्रित बैठक हुई।

बायोमिथेनेशन प्लांट्स

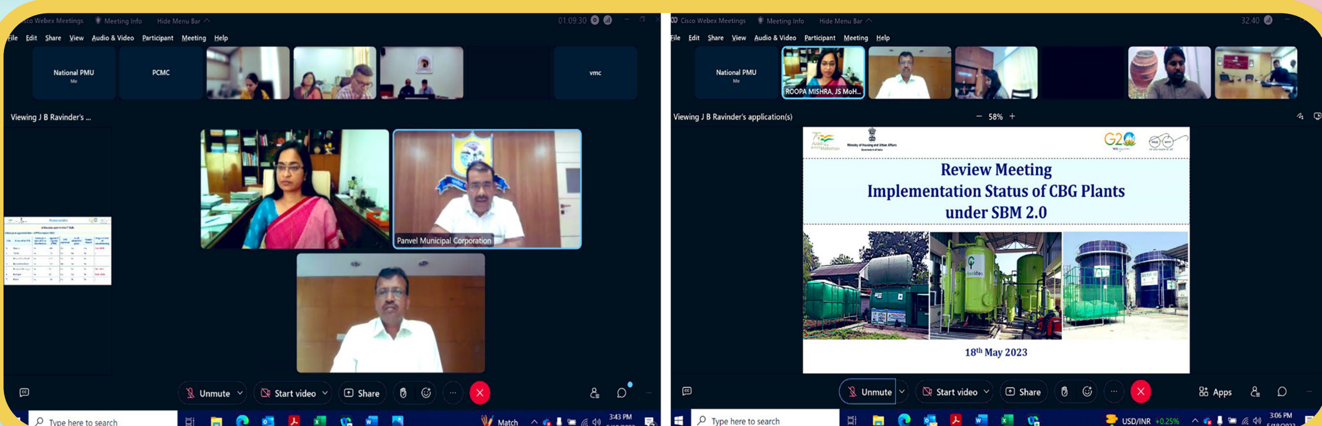

विभिन्न शहरों में 51 नए म्यूनिसिपल वेट वेस्ट प्लांट्स की फास्ट ट्रैक आधार पर स्थापना के लिए 18 मई 2023 को राज्यों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। वर्तमान में भारत में 17 ऑपरेशनल प्लांट्स हैं।

Swachh Talks Webinar Series #6

Clean Cities for Clean Rivers

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) ने 26 मई 2023 को 'क्लीन सिटीज फॉर क्लीन रिवर्स' विषय पर 'स्वच्छ टॉक' वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें सिटी प्लानिंग में नदियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया गया। वेबिनार में हिमालयी राज्यों की चुनौतियों, कानपुर टेनेरी क्लस्टर में 3R अभ्यास, स्वच्छ शहर और नदियों के लिए सामुदायिक जुड़ाव, जैसे विषयों पर चर्चा हुई और नदी किनारे बसे शहरों द्वारा जानकारियां साझा की गईं।

फील्ड विजिट

टीम स्वच्छ ने 24 अप्रैल 2023 को उत्तराखंड में हरिद्वार के एमआरएफ केंद्र का दौरा कर वेस्ट मैनेजमेंट प्रक्रिया, नए प्रोजेक्ट्स और एक मजबूत प्रणाली के लिए योजना की समीक्षा की।

देवभूमि में 26 अप्रैल 2023 को एक साइट विजिट के दौरान आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने टीम के साथ कार्य योजना पर चर्चा की।

फील्ड विजिट

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने 5 मई 2023 को तिरुवनंतपुरम के प्लास्टिक श्रेडिंग यूनिट का दौरा किया और हरित कर्म सेना कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत की। यह केरल में 25,000+ महिला एसएचजी सदस्यों की एक टीम है, जो डोर टू डोर कचरा एकत्र करती है।

5 मई 2023 को अपनी यात्रा के दौरान आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने त्रिवेंद्रम में सभी अपशिष्ट प्रबंधन साइटों का निरीक्षण किया।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की स्वच्छता टीम ने 7 मई 2023 को केरल के कोच्चि में ब्रह्मपुरम लेगेसी वेस्ट डंप साइट का दौरा किया।

फील्ड विजिट

13 मई 2023 को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) की संयुक्त सचिव श्रीमति रूपा मिश्रा ने भुवनेश्वर के बासुआघाई स्थित एफएसटीपी प्लांट पर पूरे संचालन के निरीक्षण के लिए दौरा किया।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की टीम स्वच्छ ने RRR केंद्र, एमआरएफ इकाइयों और खाद इकाइयों समेत स्वच्छ भारत मिशन शहरी के तहत पंजाब के कुराली और खन्ना में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट्स में प्रगतिशील कार्य का मूल्यांकन किया।

25 मई 2023 को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने वाराणसी में 600 टीपीडी मैटेरियल हैंडलिंग क्षमता वाले निर्माणाधीन एनटीपीसी प्लांट का दौरा किया। यह वेस्ट को ग्रीन चारकोल में बदलने वाला भारत का सबसे बड़ा प्लांट है।

स्वच्छता के लिए मैदान में उतरे शहर

ग्रीन जोन में परिवर्तित किए गए कचरे के ढेर

उत्तर प्रदेश में बरौत नगर पालिका परिषद ने 33,600 मीट्रिक टन लेगेसी वेस्ट को खत्म कर कचरे के ढेर को ग्रीन जोन में परिवर्तित किया।

बैकलेन का कायाकल्प

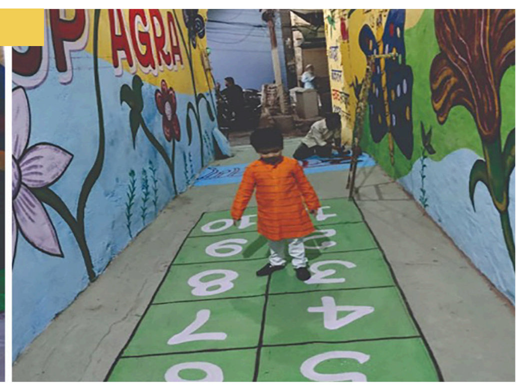

आगरा ने अपनी पहली बैकलेन को साफ करने और उसे सुंदर बनाने की चुनौती पूरी की और उस जगह को बच्चों के खेलने के लिए एक खुशनुमा जगह में बदल दिया।

कचरे के ढेर का उपचार

आंध्र प्रदेश ने पूरे राज्य में मौजूद कचरे के ढेरों का सही उपचार करने का बीड़ा उठाया। गुंटूर के रेपल्ले में कचरे के ढेर का उपचार पहले ही शुरू हो चुका है।

स्वच्छता के लिए मैदान में उतरे शहर

डल झील में कचरे का संग्रह

स्वच्छ डल झील! श्रीनगर नगर निगम ने डल झील के हाउसबोट्स और घरों से 2 टन प्रतिदिन 100% सेग्रीगेटेड म्यूनिसिपल वेस्ट एकत्र किया। झील से बोट के माध्यम से कचरा इकट्ठा किया जाता है।

शौचालयों का कायाकल्प अभियान

उत्तर प्रदेश सरकार ने लोगों के बीच स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूरे राज्य में 'शौचालयों का कायाकल्प' अभियान शुरू किया। सामुदायिक शौचालय/सार्वजनिक शौचालय और पिंक टॉयलेट समेत 75,000 टॉयलेट सीटों का 24 मार्च से 30 मार्च 2023 तक एक हफ्ते के भीतर कायाकल्प किया गया।

वेस्ट टू वंडर

पीरजादिगुड़ा ने पूरे शहर में वेस्ट से बनी विभिन्न कलाकृतियां स्थापित कीं।

जन आंदोलन

जी20 मेगा बीच क्लीनअप ड्राइव

21 मई 2023 को मुंबई के जुहू बीच पर आयोजित जी20 मेगा बीच क्लीनअप कैंपेन में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव। इस कार्यक्रम में सभी जी20 देशों और पूरे भारत के 37 स्थानों से भागीदारी देखी गई।

सिंगल यूज प्लास्टिक की फेयरवेल पार्टी

इंदौर ने 21 मई 2023 को सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए मजेदार फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। स्थानीय स्नैक पोहा का आनंद लेते हुए नागरिकों ने जीवंत जुम्बा परफॉर्मेंस और अन्य खेल गतिविधियों में भाग लिया।

सफाई मित्रों का बैडमिंटन मैच

1 मई 2023 को मजदूर दिवस के अवसर पर चंडीगढ़ नगर निगम द्वारा आयोजित बैडमिंटन मैच का आनंद लेते सफाई मित्र।

जन आंदोलन

जबलपुर स्वच्छता रन

जबलपुर ने 'स्वच्छता रन' का आयोजन किया, जिसमें स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने की भावना के साथ 20,000 लोगों ने भाग लिया।

पटना में प्लॉग रन

पटना को कचरा मुक्त शहर बनाने के लिए पटना नगर निगम की टीम ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) समूह के साथ गांधी मैदान में 'प्लॉग रन' का आयोजन किया।

केदारनाथ में प्लास्टिक लौटाने की व्यवस्था

यात्रा के दौरान प्लास्टिक कचरे को खत्म करने के उद्देश्य से स्टार्ट-अप रीसाइकल के सहयोग से केदारनाथ जिले ने प्लास्टिक डिपॉजिट रिफंड सिस्टम की शुरुआत की। इस पहल के तहत यात्रा के लिए प्लास्टिक की बोतलें खरीदने वाले तीर्थयात्रियों को 10 रुपये अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता है। अपनी यात्रा पूरी करने पर वे खाली बोतलें वापस कर सकते हैं और भुगतान की गई राशि का रिफंड प्राप्त कर सकते हैं। केदारनाथ को स्वच्छ रखने की एक शानदार पहल!

स्वच्छता खबरों में...

आठ एफएसटी व सात एसएसटी करेंगी निगरानी : रितेश त्रिपाठी ||| www.jagran.com

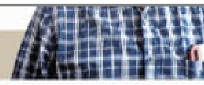

कूड़े के वाहनों की होगी स्कैनिंग, सौर ऊर्जा मार्ग पर बनाया गया है अत्याधुनिक कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन

दैनिक जागरण एक्सक्लूसिव

हसीन शाह • साहिबाबाद

अब कूड़े की गाड़ी के चालक और परिचालक काम चोरी नहीं कर पाएंगे। सौर ऊर्जा मार्ग पर अत्याधुनिक कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन बनाया गया है। इसके गेट पर इलेक्ट्रानिक बैरियर लगाया गया है। इससे कूड़े की गाड़ी सेकेंडों में स्कैन हो जाएगी। गाड़ी का पूरा डाटा कंप्यूटर में फीड हो जाएगा। इससे वाहनों की तेल चोरी करने पर भी लगाम लगेगी। समय पर लोगों के दरवाजे पर कूड़े की गाड़ी पहुंचेगी।

निगम क्षेत्र की प्रत्येक कालोनी में डोर टू डोर कूड़े के वाहन जाते हैं। वाहन चालक और परिचालकों पर आरोप लगते हैं कि वह समय पर नहीं आते हैं, जबकि रजिस्टर में उनकी उपस्थिति 100 फीसद दर्ज होती है। गाड़ी नहीं चलाकर उसका तेल निकाल लिया जाता है। एक तरफ निगम का लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है, दूसरी तरफ लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

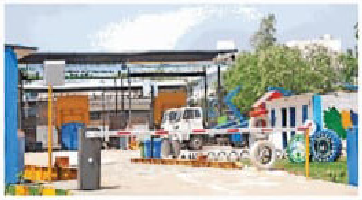

साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट- चार में बना कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन • जागरण

ट्रांसफर स्टेशन के गेट पर इलेक्ट्रानिक बैरियर से गाड़ियों का डाटा फीड किया जाएगा। ड्यूटी पर लगी कूड़ा गाड़ियों का यह पता चल जाएगा कि वह कूड़ा उठा रही है या नहीं। काम में लापरवाही की जानकारी तुरंत ही मिल जाएगी।

– डा. मिथिलेश, नगर स्वास्थ्य अधिकारी

जुर्माना लगने के बाद बनवाया गया ट्रांसफर स्टेशन

नगर निगम द्वारा इंदिरापुरम के शक्ति खंड चार में नगर निगम द्वारा कूड़ा डाला जाता था। यहां कूड़े का पहाड़ बन गया था। स्थानीय लोगों ने एनजीटी में याचिका दायर की थी। एनजीटी ने निगम पर 150 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। निगम ने सौर ऊर्जा मार्ग पर निजी कंपनी से अत्याधुनिक ट्रांसफर स्टेशन बनवाने का निर्णय लिया। अभी इसमें बिजली का कनेक्शन नहीं हुआ है। कनेक्शन मिलने पर इसे शुरू कर दिया जाएगा। ट्रांसफर स्टेशन में पार्किंग और गाड़ियों की मरम्मत करने की वर्कशाप भी होगी। वाहनों में कूड़े को ढक कर डलाव घर ले जाया जाएगा।

समस्या को दूर करने और राजस्व की हो रही लूट को रोकने के लिए नगर निगम ने निजी कंपनी से अत्याधुनिक कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण कराया है। कूड़े का मिनी ट्रक और डंपर बिना स्कैनिंग के ट्रांसफर स्टेशन के अंदर प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इसके गेट पर लगाया गया इलेक्ट्रानिक बैरियर गाड़ियों का डाटा फीड करेगा। इससे यह पता चल जाएगा कि जितनी कूड़ा गाड़ियों की ड्यूटी लगाई गई है वह कूड़ा उठा भी रही है या नहीं। कूड़े की गाड़ी की नंबर प्लेट से लेकर कूड़े वजन भी फीड जो जाएगा।

पांच राज्यों की टीम ने कहा-अम्बिकापुर का स्वच्छता मॉडल है लाजवाब

मिजोरम, मणिपुर, आसाम, नागालैंड, उत्तराखण्ड की टीम ले रही स्वच्छता तकनीक की जानकारी

नवभारत ब्यूरो। अम्बिकापुर। आज भारत सरकार आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर अम्बिकापुर अध्ययन भ्रमण पर देश के पांच राज्य मिजोरम, मणिपुर, आसाम, नागालैंड और उत्तराखण्ड से 50 सदस्यीय दल पहुंचा है। स्वच्छ यात्रा में आए स्वच्छता दूत के कार्यशाला का शुभारंभ महापौर डॉ. अजय तिर्की और आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाई द्वारा किया गया। कार्यशाला में आयुक्त द्वारा अंबिकापुर में चल रहे एसएलआरएम मॉडल के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, महापौर द्वारा जानकारी देते हुए अंबिकापुर मॉडल के प्रारंभ से किस तरह सभी जन प्रतिनिधिगण, नागरिकगण का सहयोग लिया गया, किस तरह समूह के स्वच्छता दीदियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया गया। इस संबंध में दल को अवगत कराया गया, तत्पश्चात अंबिकापुर की स्वच्छता दीदियों और राज्य कार्यालय से आए अधिकारियों द्वारा मॉडल की जानकारी दी गई। कार्यशाला के उपरांत दल को एसएलआरएम केंद्र डीसी रोड, घुटरापारा गौठान और न्यू बस स्टैंड केंद्र का भ्रमण कराया गया। टीम में आए सदस्यों द्वारा अंबिकापुर मॉडल की सराहना करते हुए अपने क्षेत्र में लागू करने हेतु विस्तृत जानकारी ली गई और अपने क्षेत्र में चल रहे कार्य की जानकारी दी गई, यह भ्रमण आज भी रहेगा। इस अवसर पर राज्य कार्यालय से डॉ. नितेश शर्मा, शिखा सिंह, प्रोग्रामर रितेश सैनी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड की बहनें पारंपरिक परिधान में पहुंची

स्वच्छता यात्रा के तहत उत्तराखंड की बहनें न सिफ पारंपरिक परिधान में पहुंची बल्कि अम्बिकापुर के स्वच्छता मॉडल से रूबरू होने कार्यशाला में भी पारंपरिक परिधान में शामिल हुई। विभिन्न राज्यों की स्वयं सहायता समूह की बहनें और नोडल अधिकारियों को शहर के एसएलआरएम सेंटरों का भी भ्रमण कराया गया और कचरा संग्रहण और प्रबंधन के तकनीक की जानकारी दी गई। स्वच्छता यात्रा के दूसरे चरण में 26 मार्च को उत्तरप्रदेश, जम्मू कश्मीर, वेस्ट बंगाल, ओड़िसा और केरल की टीम आएगी।

'मन की बात' : स्वच्छ भारत अभियान का संकल्प वाहक

डा. बिंदेश्वर पाठक
संस्थापक, सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाइजेशन

भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। इसका मतलब यह है कि भारत धन-धान्य से पूर्ण था, लेकिन शायद साफ-सफाई पर लोगों का ध्यान नहीं था। शहर हो या गांव, लोग साफ-सफाई पर ध्यान नहीं रखते थे। इस्तेमाल के बाद चीज़ों को जहां-तहां फेंक देते थे, जिससे चारों तरफ गंदगी-ही-गंदगी दिखाई पड़ती थी। इसके अलावा, लोग खुले में शौच करते थे, घरों में शौचालयों की व्यवस्था नहीं थी। महिलाओं को शौच के लिए जाने में अत्यधिक कठिनाई होती थी। उन्हें सूर्योदय के पहले या सूर्यास्त के बाद शौच के लिए जाना पड़ता था। अंधकार में शौच के लिए जाने के कारण कभी-कभी सांप एवं बिच्छू इत्यादि डंस लेते थे। कभी-कभी महिलाओं एवं लड़कियों के साथ आपराधिक घटनाएं भी हो जाया करती थीं। लोग सड़क के दोनों किनारों पर या रेलवे ट्रैक के बगल में शौच के लिए जाते थे।

कुछ गांवों में एवं शहरों के मध्य में लोग कमाऊ शौचालय का उपयोग करते थे। सफाई कर्मचारी उन कमाऊ शौचालयों को साफ करते थे। यद्यपि वे लोग बहुत ही अच्छा कार्य करते थे, क्योंकि वे उन कमाऊ शौचालयों की सफाई न करते तो हैजा, इत्यादि बीमारियां फैल सकती थीं और लोग मर सकते थे। लेकिन मैला साफ करने वालों के साथ अमानवीय व्यवहार होता था और सुबह से शाम तक उन्हें अछूत जैसा अपमानसूचक शब्द सुनने को मिलता था।

1915 में महात्मा गांधी ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करना प्रारंभ किया। भारत में चारों तरफ फैली गंदगी को देखकर गांधी जी ने 1919 में कहा कि उन्हें स्वच्छ भारत पहले चाहिए एवं आज़ादी बाद में। महात्मा गांधी ने आम लोगों से और खासकर आजादी में संलग्न वालंटियर्स को कहा कि वे लोग अधिक से अधिक ट्रेंच लैट्रिन का इस्तेमाल करें जो गांधी स्वयं दक्षिण अफ्रीका में करते थे। गांधी जी ने यह भी कहा कि जब तक घरों में शौचालयों की व्यवस्था नहीं हो जाती है तब तक खुले रूप में शौच करने जाएं तो शौच को ऊपर से मिट्टी से ढक दें ताकि मक्खियां शौच पर न बैठ सकें, अन्यथा वही मक्खियां भोजन पर बैठकर बीमारियां पैदा कर सकती हैं और खाने वाले बीमार पड़ सकते हैं। सफाई कर्मचारियों द्वारा मनुष्य मल के साफ करने के कार्य को एक नए शौचालय का आविष्कार कर बंद करा दिया जाए और छुआछूत की प्रथा को समाप्त कराकर मैला साफ करने में संलग्न लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ दिया जाए एवं उनकी प्रतिष्ठा समाज के लोगों के बराबर हो। गांधी ने यहां तक कहा था, "शायद मेरा पुनर्जन्म न हो, लेकिन अगर मेरा पुनर्जन्म होता है तो मैं एक वाल्मीकि परिवार में जन्म लेना चाहूंगा ताकि मैं उन्हें सिर पर मैला ढोने जैसी इस अमानवीय, अस्वस्थ एवं घृणित कार्य से मुक्ति दिला सकूं।"

माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जब भारत के प्रधानमंत्री बने तो लाल क़िले से 2014 के 15 अगस्त को झंडा फहराते हुए उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान चलाया जाए और कोई भी व्यक्ति शौच के लिए बाहर न जाए। इसके लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाने का आह्वान किया। आधिकारिक तौर पर 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया, स्वच्छ भारत अभियान स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे सफल सरकारी पहलों में से एक है। यदि आप सोच रहे हैं कि यह कैसे हुआ, तो इसका उत्तर सरल है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री ने नागरिकों को अभियान का अविभाज्य और महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। अभियान की शुरुआत के एक दिन बाद 3 अक्टूबर 2014 को प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के पहले ही एपिसोड में इसके बारे में बात की। उन्होंने लोगों से उत्साह के साथ अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि देवालय से पहले शौचालय का निर्माण होना चाहिए। भारत के चार लाख पचास हज़ार स्कूलों में एक वर्ष के अंदर शौचालय बन जाएं ताकि स्कूलों में खासकर लड़कियों को शौच जाने में कोई दिक्कत न हो। इससे स्कूलों में लड़कियों की संख्या बढ़ेगी और एक वर्ष में सभी स्कूलों में शौचालय बन गए। उन्होंने यह भी कहा कि माता एवं बहनों को शौच के लिए बाहर जाना पड़ता है इससे उन्हें बड़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता। अत: महात्मा गांधी जी के 150वीं जंयती के पूरे होने के दिन तक सभी घरों में शौचालय बन जाए एवं खुशी की बात यह है कि भारत के लगभग 11 करोड़ घरों में शौचालय बन गए एवं अब माताओं एवं बहनों को शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता है।

15 अगस्त, 2014 को माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने अपने हाथों झाड़ू उठाया एवं दिल्ली स्थित वाल्मीकि कॉलोनी में फैली हुई गंदगी को अपने झाड़ू से साफ किया और देश के लोगों को आह्वान किया कि वे लोग भी अपने-अपने हाथों में झाड़ू उठाएं एवं जहां भी गंदगी दिखे उसकी सफाई करें। वाराणसी में गंगा किनारे स्थित अस्सी घाट की सफाई अपने हाथों से की जहां पर 50 सालों से भी अधिक समय से मिट्टी जमा हुई थी। अस्सी घाट अब दर्शनीय हो गया है। स्थानीय लोगों द्वारा पूजा-अर्चना करने के अलावा देश-विदेश के पर्यटक अस्सी घाट आते हैं और गंगा की लहरों को देखकर आनंदित होते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के प्रयास से स्वच्छता की एक लहर चल गई है और कोई भी आदमी अब घर हो या बाहर या सार्वजनिक जगह कहीं पर भी गंदगी नहीं करता। यदि कोई करता है तो लोग उसे मना करते हैं। आज गांव-गांव, शहर-शहर, स्कूल हो या कॉलेज, चलती हुई रेलगाड़ी एवं बसों में भी लोग यात्रा के दौरान स्वच्छता के क्षेत्र में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किए हुए एवं किए जा रहे स्वच्छता के आंदोलन की चर्चा करते हैं एवं प्रधानमंत्री द्वारा किए गए स्वच्छता के कार्य की सराहना करते हैं। पूरा देश अब साफ दिखने लगा है एवं इसका श्रेय माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है। प्रधानमंत्री यहीं नहीं रुके। उन्होंने 'मन की बात' जैसे महत्त्वपूर्ण मंच अभियान के प्रत्येक माइलस्टोन और देश भर से इस अभियान से जुड़ी छोटी-बड़ी कहानियों को साझा करते हैं। इससे नागरिकों में गर्व की भावना पैदा तो हुई है, साथ ही लोग देश को स्वच्छ करने और रखने के लिए प्रेरित हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को स्वच्छ बनाने के लिए भारतीयों के बीच स्वच्छता का दीप जलाया है। उन्होंने स्वच्छता की उस संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए देशवासियों का आह्वान किया है, जो हड़प्पा-सभ्यता के समय यहां थी। आज जब 'मन कि बात' रेडियो कार्यक्रम अपने 100वें एपिसोड की ओर बढ़ रहा है, तब देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान जैसे कई क्रांतिकारी जन आंदोलनों के लिए तैयार है। मेरी देशवासियों से गुजारिश है कि हम लोगों को अपनी पूरी शक्ति तथा साधन-द्वारा प्रधानमंत्री जी का साथ देना चाहिए। एतदर्थ आएं, हम सभी सभ्य, सुसंस्कृत और स्वच्छ हो कर भारत को सभ्य, सुसंस्कृत तथा स्वच्छ राष्ट्रों की कतार में अग्रणी बनाएं।

बदलते जमाने का अखबार

पीपुल्स समाचार

स्थापना वर्ष 2009

3 अप्रैल 2023 सोमवार
विक्रम 2080, हिजरी 1444
चैत्र शुक्ल द्वादशी

जबलपुर
12 पृष्ठ ₹ 2.50
■ वर्ष-14 ■ अंक-108
आज महावीर जयंती

twitter.com/psamachar1 | facebook.com/peoplessamachar1 | whatsapp 9644644460 | instagram.com/peoplessamachar1 | www.peoplessamachar.in

जीतो परिवार व नगर निगम का संयुक्त आयोजन, बन सकता है वर्ल्ड रिकॉर्ड

अहिंसा के साथ स्वच्छता का संदेश देने दौड़ा जबलपुर

पीपुल्स संवाददाता ● जबलपुर
editor@peoplessamachar.co.in

अहिंसा,शांति-सद्भाव का संदेश देने के लिए रविवार की सुबह 6 बजे से अहिंसा रन की शुरूआत कमानिया गेट से की गई। इस आयोजन को जीतो परिवार व नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसमें करीब 25 हजार की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। सद्भावना के लिए आयोजित इस दौड़ में युवाओं ने खासा उत्साह दिखाया।

कमानिया से लेकर मालवीय चौक,तीनपत्ती व अन्य चौराहों तिराहों पर प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन के लिए रंगोली सजाई गईं। कई स्थानों पर पुष्पवर्षा भी की गई। जिसे देखकर ऐसा लग रहा था कि मानो पूरा शहर स्वच्छता और अहिंसा की अलख जगाने एकत्र हो गया हो। गौरतलब है कि यह आयोजन भारत के 65 शहरों और 28 देशों में एक साथ आयोजित किया गया था। यह अहिंसा रन गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड एवं अन्य वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक मे दर्ज की जाएगी,जिसमें जबलपुर की सहभागिता मुख्य रही है। आयोजन में जीतोपरिवार के साथ नगर निगम व अन्य संस्थाओं की सहभागिता रही। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के नेतृत्व में इस अहिंसा रन में सांसद राकेश सिंह,विधायक अशोक रोहाणी,विनय सक्सेना,नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज,नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल,पूर्व मंत्री शरद जैन,एसपी टीके विद्यार्थी,निगमायुक्त स्वप्निल वानखेड़े ने फ्लैग दिखाकर रैली को रवाना किया।

दिव्यांग जनों में गजब का उत्साह

अहिंसा रन रैली में शहर के दिव्यांग जनों ने भी उत्साह से हिस्सा लिया। एक युवक जहां बैशाखी का सहारा लेकर दौड़ में शामिल हुआ तो कई अपनी ट्राइसिकिल केसहारे इस दौड़ में शामिल रहे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने इनका उत्साहवर्धन भी किया।

विजेता हुए पुरस्कृत

यह दौड़ 3,5 और10 किमी की दूरी में हुई। जिसमें करीब 25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। 2 से 3 घंटे के इस आयोजन के समापन के उपरांत विजेताओं को चेक प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। बताया जा रहा है कि यह दौड़ गिनीज बुक में दर्ज की जा सकती है।

सबके लिए रही एनर्जी ड्रिंक

अहिंसा रन में शामिल होने आए हर प्रतिभागी के लिए महापौर की ओर से एनर्जी ड्रिंक की व्यवस्था की गई। पूरे रास्ते में स्वच्छता के संदेश के गीत गुंजायमान होते रहे। आयोजन में अहम योगदान जीतो परिवार के चेयरमैन सुबोध जैन, राजेश जैन, राहुल बड़कुल,प्रदमन सिंघई, रितिक बाघमार,हर्ष सिंघई, पिंकी जैन, संजय घोड़ावत,संदेश जैन आदि का रहा।

स्वच्छता के लिए शहरों में बनेंगे थ्री आर सेंटर

हरदीप पुरी। फाइल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पुराने कपड़े, जूते, खिलौने और किताबें अब कूड़े के ढेर में तब्दील नहीं होंगी। इन्हें फिर से प्रयोग योग्य और रीसाइकल के लायक बनाया जाएगा। इसके लिए शहरों में स्थान बनाए जाएंगे। केंद्रीय आवासन और शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने सोमवार को स्वच्छता से जुड़े नए अभियान मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर की शुरुआत की। राष्ट्रव्यापी मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर अभियान तीन सप्ताह तक चलेगा। इसका उद्देश्य शहरों में रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल (आरआरआर) सेंटरों की स्थापना है। ये नागरिकों के लिए वनस्टाप सेंटर होंगे जहां वे पुराने सामान दे सकते हैं। आरआरआर सेंटरों को पूरे देश में 20 मई को लांच किया जाएगा।

कितना कामयाब हुआ स्वच्छ भारत अभियान

सरकार अन्य सहयोगियों के साथ यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है कि भारत में हर बच्चे को साफ पानी और सामान्य शौचालय उपलब्ध हो

राजीव जैन

स्वच्छ भारत मिशन को शुरू हुए आठ साल हो चुके हैं। अब हम कह सकते हैं कि देश में स्वच्छता जन-आंदोलन अब स्थापित है, जिसे राज्य और जिला स्तर पर नागरिकों, युवाओं और विशेष रूप से महिलाओं का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इस मिशन ने महिलाओं के लिए स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में आजीविका और कौशल के बेहतरीन अवसर प्रदान किए हैं। अब यह देश 'स्वच्छता में महिलाएं' से 'महिला नेतृत्व वाली स्वच्छता' की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने महिला-नेतृत्व वाले 'स्वच्छोत्सव 2023' का शुभारंभ किया था। इसके तहत देश में 'कचरा मुक्त शहर' रैलियां निकाली गईं। स्वच्छता अभियान 4,00,000 से अधिक महिला उद्यमियों के लिए एक अनोखा मंच बना। अनूठी यात्रा और मशाल मार्च में महिलाओं ने शहरी परिदृश्य को बदलने की जिम्मेदारी ली। इसमें 3000 से अधिक शहरों को शामिल किया गया। यह अभियान 34 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को एकजुट होकर सीखने की एक तरह की अंतरराज्यीय पहल है।

स्पष्ट है कि स्वच्छता जन आंदोलन एक प्रमुख स्तंभ के रूप में विकसित हुआ है, ठीक वैसे ही जैसे अन्य महत्वपूर्ण हितधारक और स्टार्टअप। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के प्रबंधन से लेकर वेस्ट टू वेल्थ स्टार्टअप शुरू करने तक महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। यही नहीं, शहरी भारत खुले में शौच से मुक्त (ODF) हो गया है। सभी 4,715 शहरी, स्थानीय निकाय पूरी तरह ODF हैं। 1,191 स्थानीय निकाय संपूर्ण मल कीचड़ प्रबंधन के साथ ODF++ हैं। इसके साथ ही 97 फीसदी वार्डों में 100 फीसदी डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और देश के सभी स्थानीय निकायों के लगभग 90 फीसदी वार्डों में नागरिक ही कचरे के स्रोत को अलग-अलग कर रहे हैं।

अभियान के दूसरे चरण में 1 अक्टूबर, 2021 को स्वच्छ भारत मिशन- शहरी 2.0 (SBM-U) की नींव रखी गई थी, जिसके तहत शहरों को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के जरिए कचरा मुक्त बनाने पर जोर दिया गया। SBM-U जनभागीदारी के सिद्धांत को

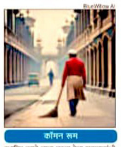

BlueWillow AI

कॉमन रूम

स्थापित करने वाला पहला ऐसा महत्वाकांक्षी अभियान है, जो बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी प्रदान कर रहा है। कचरा मुक्त शहर बनाने के लिए स्थायी सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एक महत्वपूर्ण घटक है। यही वजह है कि शहरी विकास और आवास मंत्रालय ने दस लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की श्रेणी में बड़े पैमाने पर सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग की सुविधाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। SBM-U 2.0 का पूरा ध्यान लेगेसी डंपसाइट्स, निर्माण और डिमॉलिशन वेस्ट और प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन के बायो-उपचार के साथ-साथ 100 फीसदी वेस्ट प्रोसेसिंग का लक्ष्य पाने पर केंद्रित है।

पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है कि भारत में हर बच्चे को साफ पानी, सामान्य शौचालय उपलब्ध हो और वह स्वच्छता संबंधी तौर-तरीकों का पालन करे। फरवरी 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदौर में एशिया के सबसे बड़े म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट पर आधारित गोबर-धन प्लांट का उद्घाटन किया था। इसका लक्ष्य 19,000 किलोग्राम बायो-सीएनजी गैस उत्पन्न करना है।

उन्नत तकनीक के प्रयोग से देश को स्वच्छ बनाने में जनभागीदारी बढ़ रही है। 3326 शहरों के 67,407 टॉयलेट अब गूगल मैप पर आ गए हैं। स्वच्छता एप के डेढ़ करोड़ सब्सक्राइबर, 1969 नंबर की हेल्पलाइन भी जनभागीदारी बढ़ाने का काम कर रही है। देश भर के सभी शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए भारत सरकार हर संभव कोशिश में जुटी है। भारत के सभी शहर स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक नेटवर्क तैयार करने में लगे हैं, जो बेहतर समाज व पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी है। ऐसे में सभी को अपने शहर को कचरा मुक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

(लेखक पीआईबी के अपर महानिदेशक हैं। ये उनके निजी विचार हैं)

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 16-05-2023

अभियान • सम्पूर्ण स्वच्छता मिशन के तहत महापौर व आयुक्त ने की दान, कल्याण व समाधान योजना की शुरुआत

मोहल्लों में जाकर पुराने कपड़े, टूटे बर्तन व किताबें कलेक्ट करेगा स्वच्छता दल, चार वाहन हुए रवाना

प्रत्येक दिन स्वच्छता टीम पांच वार्डों में भ्रमण कर तीस दिन में पूरा करेगी कलेक्शन अभियान

भास्कर संवाददाता|बेतिया

नगर निगम क्षेत्र के सभी मोहल्लों में स्वच्छता दल पहुंचकर पुराने कपड़े, टूटे बर्तन व पुरानी किताबें लोगों से लेगी। इसके लिए नगर निगम कार्यालय से सोमवार को चार वाहनों को रवाना किया गया। जिसे महापौर गरिमा देवी सिकारिया, नगर आयुक्त शंभु कुमार ने झंडी दिखाकर रवाना किया। निगम क्षेत्र में सम्पूर्ण स्वच्छता मिशन की सफलता को लेकर महापौर व आयुक्त ने दान, कल्याण, समाधान योजना की शुरुआत की है। ताकि शहर को स्वच्छ रखा जा सके। लोग पुराने कपड़े, बर्तन आदि को जहां नहीं फेंके। इसके कलेक्शन से इसका उपयोग दूसरे लोग भी कर सकते है। स्वच्छता टीम प्रत्येक दिन पांच वार्डों में भ्रमण कर तीस दिन में कलेक्शन अभियान पूरा करेगी। मौके पर सिटी मैनेजर अरविंद कुमार, पर्यावरण पदाधिकारी मो. अमजद, ब्रांड एंबेसडर आदित्य मधुकर समेत कई वार्ड पार्षद व नगर निगम के कर्मी मौजूद रहे। दान, कल्याण व समाधान योजना की शुरुआत

स्वच्छता दल को झंडी दिखाकर रवाना करते महापौर व नगर आयुक्त।

के मौके पर महापौर ने कहा कि नगर निगम के इन स्वच्छता दलों के दरवाजे पर पहुंचने पर अपने -अपने घरों में पड़े पुराने कपड़े, टूटे बर्तन और पुरानी किताबों को दान कर दें। इससे घर का वह हिस्सा खाली व साफ हो जाएगा, जिसको अनुपयोगी सामान ने भर रखा है। बेकार पड़े पुराने कपड़े किसी जरूरतमंद का शरीर ढकने में काम आ जाएंगे। वहीं प्राप्त किताबों को स्टॉल लगा कर निःशुल्क बंटवाने का कार्य नगर निगम प्रशासन करेगा। ताकि घरों में पड़ी या आपके बच्चों या अन्य परिजनों द्वारा पढ़ कर छोड़ी गई किताबों का उपयोग कोई अन्य जरूरतमंद कर सके।

सफल रहा अभियान तो शहर को स्वच्छ रखने में मिलेगी मदद

जानकारों का कहना है कि नगर निगम के द्वारा चलाया गया अभियान अगर सफल रहा तो निगम क्षेत्र को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी। साथ ही नालियों को भी जाम होने से कुछ हद तक निजात मिलेगी। बता दें कि कई लोगों के द्वारा अपने उपयोग के पश्चात पुराने जूता चप्पल, खिलौने, कपड़े, किताबों आदि को यत्र तत्र फेंक दिया जाता है। जिससे नालियों में इसके चले जाने से नाली जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जिसके कारण गंदा पानी ओवरफ्लो करने लगता है। वहीं कूड़ा कचरा में फेंकने के उपरांत इसमें से कई सामान आसानी से नहीं गल पाते है। अगर लोगों के द्वारा इन पुराने सामानों को दान कर दिया जाता है, तो आर्थिक रूप से कमजोर लोग इसका उपयोग कर सकते है। साथ ही शहर को साफ सुथरा रखने में भी यह प्रयोग सहायक साबित हो सकता है।

जागरण सिटी गाजियाबाद | नई दिल्ली, 6 मई, 2023 | दैनिक जागरण III

'स्वच्छ सर्वेक्षण को तैयार शहर, जागरूक और प्रेरित कर रहीं पेंटिंग'

कविनगर आरओबी के नीचे पिलर पर बनाई गई क्रिकेटर विराट कोहली की तस्वीर ● जागरण

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद: स्वच्छ सर्वेक्षण 2023-24 के लिए शहर तैयार है। रेल ओवर ब्रिज (आरओबी), फ्लाईओवर और दीवारों पर रंगरोगन के साथ पेंटिंग भी बनाई गई हैं। मशहूर हस्तियों की प्रेरणास्पद पेंटिंग के साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए भी पेंटिंग की गई हैं। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. एमके सिंह ने बताया कि सभी काम लगभग हो चुके हैं। सर्वेक्षण की टीम कभी भी आ सकती हैं। सभी बिंदुओं की तैयारी पूरी कर ली गई है।

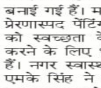

डा. एम के सिंह ●

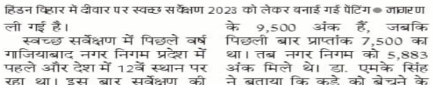

हिडन विहार में दीवार पर स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 को लेकर बनाई गई पेंटिंग ● जागरण

स्वच्छ सर्वेक्षण में पिछले वर्ष गाजियाबाद नगर निगम प्रदेश में पहले और देश में 12वें स्थान पर रहा था। इस बार सर्वेक्षण की थीम कचरे से समृद्धि की ओर है और प्रदेश में सिर्फ गाजियाबाद नगर निगम ही कूड़ा बेचकर आय कमा रहा है। नगर निगम को हर माह 28 लाख रुपये कूड़ा बेचने से मिलते हैं। इस बार सर्वेक्षण के 9,500 अंक हैं, जबकि पिछली बार प्राप्तांक 7,500 का था। तब नगर निगम को 5,883 अंक मिले थे। डा. एमके सिंह ने बताया कि कूड़े को बेचने के अलावा कबाड़ से जुगाड़ की तर्ज पर सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं। सड़क किनारे बेकार टायर लगाए हैं। दुर्घटना होने पर इससे होने वाले नुकसान को ये टायर काफी हद तक कम कर देते हैं।

इसलिए चिंतित भी हैं अधिकारी

इस बार के तिमाही वाले तीन सर्वेक्षण हो चुके हैं और अब अंतिम मुआयना होना बाकी है। इसके आधार पर ही अंक दिए जाएंगे। सर्वेक्षण का काम इस बार नई एजेंसी को दिया गया है। इसको लेकर अधिकारी चिंतित भी हैं। सभी विभागों को निर्देश दिया गया है कि बताए गए कार्यों में कोई भी कसर न रह जाए। सफाई, रंगरोगन और पेंटिंग के साथ प्रमुख मार्गों पर लगी दुकानें भी हटाई जा रही हैं। एजेंसी बदलने के कारण सर्वेक्षण में करीब तीन माह तक की देरी भी हुई है। वहीं अभी तक सर्वेक्षण फरवरी माह के तक पूरा हो जाता था, लेकिन इस बार मई के अंत तक पूरा होने का अनुमान है।

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

facebook

Swachh Bharat Mission - Urban
May 21

The team from #Gorakhpur, #UttarPradesh are putting their best efforts in spreading the message of Meri LiFE Mera Swachh Shehar, have ... See more

Swachh Bharat Mission - Urban
1d

Beautiful Back lanes of #Indore!
The Creatively designed back lanes by team Indore Municipal Corporation are incorporated ... See more

Swachh Bharat Mission - Urban
Apr 11

"Get ready for a mega cleanup event!

MCD Central Zone, in association with NMCG, DDSIL, RWAs of Madanpur Khadar, YSS Foundation & SKs, presents the #YamunaPlogging & #CleanlinessDrive at #KalindiKunjGhat! Join us as we make a positive impact on our river and community!

twitter

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

A TULIP rally!
Swachh TULIP interns from #Ratlam are marching and performing Nukkad Natak to spread awareness regarding source segregation, twin bin, and the #RRRCentre.
The march covered around 10 kms of distance!

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

From creative RRR Centre posters to eco-friendly, plastic-free setups, from planning mega collection drives to making waste to wonder artifacts, cities have ramped up their #RRR4Life initiatives under Meri LiFE, Mera Swachh Shehar campaign!

#IndiaVsGarbage #ChooseLiFE

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

Huge appreciation to Team #SaveGhaggar!

Taking action to save the dying Ghaggar river in the Tricity with an awareness campaign involving residents, especially children.

Let's support this great cause & volunteer to protect our precious river!

#IndiaVsGarbage

Instagram

sbmurbangov

7 likes
sbmurbangov Look at the commendable transformation of Madurai Road, Ramakrishna Theater Bridge in Tamil Nadu.

The ULB evolved the beauty of the place by facilitating intensive cleaning and work of art across the region.

sbmurbangov

19 likes
sbmurbangov "Get ready for a mega cleanup event!

MCD Central Zone, in association with NMCG, DDSIL, RWAs of Madanpur Khadar, YSS Foundation & SKs, presents the #YamunaPlogging & #CleanlinessDrive at #KalindiKunjGhat! Join us as we make a positive impact on our river and community!

sbmurbangov

43 likes
sbmurbangov Excitement for RRR Centres is gaining ground! Catch glimpses of the newly opened RRR Centres in Agra, Rewa, and Bhubaneshwar

Have you located your nearest RRR Centre yet?

RRR 4 LiFE

स्वच्छ भारत मिशन पर ज्यादा जानकारी के लिए

हमें फॉलो करें

Swachh Bharat Mission – Urban

sbmurbangov

@SwachhBharatGov

Swachh Bharat Urban

swachh-bharat-urban